हिमाल्यन वन अनुसंधान संस्थान, शिमल्ल में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

26 जनवरी, 2015 को हिमाल्यन वन अनुसंधान संस्थान, शिमल्ल में 66वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोउल्लास से मनाया गया । संस्थान के निदेशक डा॰ वी॰ पी॰ तिवारी ने समारोह की अध्यक्षता की और राष्ट्रीय ध्वज फहराया । ध्वजरोहण के पश्चात् उपस्थित जनसमूह ने राष्ट्रगान गाया । उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ॰ तिवारी ने सबको गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और बताया कि भारत में गणतंत्र राष्ट्र के बीज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर सत्र में ही बोए गए थे । लाहौर सत्र में नागरिक अवज्ञा आंदोल्न का मार्ग प्रशस्त किया गया और यह निर्णय लिया गया कि भविष्य में 26 जनवरी को पूर्ण स्वराज दिवस के रूप में मनाया जाएगा । पूरे भारत में अनेक भारतीय राजनैतिक दलों और भारतीय क्रांतिकारियों ने सम्मान और गर्व सहित इस दिन को मनाने के प्रति एकनिष्ठा व एकता दर्शाई ।

इस बात को आगे ले जाते हुए, निदेशक महोदय ने बताया किभारत 15 अगस्त, 1947 को एक स्वतंत्र राष्ट्र बना पर देश में स्वतंत्रता की सच्ची भावना का आनन्द 26 जनवरी, 1950 को उठाया जब भारतीय संविधान प्रभावी हुआ । इस संविधान के अन्तर्गत ही भारत के नागरिकों को अपनी सरकार चुनकर स्वयं अपना शासन चलने का अधिकार मिल्ल तथा नागरिकों को संवैधानिक रूप से उनके अधिकार एवं

कर्तव्य का ज्ञान हुआ ।

उन्होने आगे कहा कि गणतंत्र दिवस को पूरे देश में राष्ट्रीय भावना के साथ एक त्योहार की तरह मनाया जाता है ।

डॉ० तिवारी ने सभा में उपस्थित सभी लोगों से आवाहन किया कि एक स्वाधीन, स्वशासित देश के नागरिक होने के नाते हमें अपना कार्य सत्यनिष्ठा, सच्ची लगन और दायित्व के साथ करना चाहिए तभी हमारा देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा ।